Roll No. .....

B. A.-10 (Bachelor of Arts) Hindi

Third Year Examination-2015

HD- 06

हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 60

नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं । (2×15=30)

1. हिन्दी भाषा के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
2. देवनागरी लिपि के इतिहास का संक्षिप्त परिचय देते हुए इसके गुण-दोषों का वर्णन कीजिए।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप और उसकी आवश्यकता का विश्लेषण कीजिए।
4. राजभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(4×5=20)

1. पूर्वी हिन्दी की प्रमुख बोलियों का परिचय दीजिए।
2. राष्ट्रभाषा व राजभाषा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
3. अच्छे अनुवादक की विशेषताएँ बताइए।
4. कार्यालयी पत्र का नमूना लिखिए।
5. टिप्पणी लेखन से आप क्या समझते हैं?
6. 'पल्लवन' करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
7. जनसंचार के प्रमुख माध्यमों का संक्षेप में परिचय दीजिए।
8. इलेक्ट्रानिक मीडिया का परिचय दीजिए।

खण्ड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)

1. हिन्दी भारोपीय परिवार की भाषा है। (सत्य/ असत्य)
2. हिन्दी का पहला पत्र उदन्त मार्तण्ड है। (सत्य/ असत्य)

3. 'बघेली' परिश्चमी हिन्दी की बोली है। (सत्य/ असत्य)

4. अनुस्मारक में पूर्व में भेजे गए पत्र को यथावत दुहरा दिया जाता है। (सत्य/ असत्य)

5. संक्षेपण प्रक्रिया पल्लवन प्रक्रिया के विपरीत नहीं है। (सत्य/ असत्य)

सही विकल्प चुनिए-

6. हिन्दी की बोलियों की कुल संख्या है-

(अ) 18 (ब) 16

(स) 14 (द) 20

7. प्राचीन देवनागरी लिपि का विकास हुआ है-

(अ) खरोष्ठी लिपि से

(ब) कुटिल लिपि से

(स) हित्ती लिपि से

(द) यूनानी लिपि से

8. हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में कब मान्यता प्रदान की गई-

(अ) 5 सितम्बर, 1948

(ब) 26 जनवरी, 1965

(स) 14 सितम्बर, 1949

(द) 20 जनवरी, 1949

9. प्रयोजनमूलक हिन्दी से आशय है-

(अ) कार्यालयी हिन्दी

(ब) वाणिज्यिक हिन्दी

(स) समाचारपत्रों की हिन्दी

(द) सामान्य हिन्दी

10. संचार भाषा का स्वरूप है-

(अ) मानक भाषा

(ब) जन सामान्य की भाषा

(स) क्षेत्रीय भाषा

(द) मिश्रित भाषा